# HIN1B08a – Fiche d'exercices N° 8 – Transcription

**Exercice 1**

- वह ठीक कह रहे हैं। यह मुल्क हम मुसलमानों को अपना हिस्सा न कभी माना था, न कभी मानेगा।

पर ख़ून नहीं खौल उठता तुम्हारा। तुमने मुझे देखा कभी किसी हिन्दू से दोस्ती करते हुए, देखा कभी ?

- मैं आपकी तरह नहीं सोच सकता भाईजन और सोचना भी नहीं चाहता। मैं अपने अंदर इतनी नफ़रत है ..

- तुम डरपोक हो बस, डरपोक और कुछ नहीं।

- शर्म आनी चाहिए तुम दोनों को।

- दम घुटता है मेरा इस घर में। दिन-रात बस वही एक बात।

**Exercice 2**

- तुमने कभी बताया नहीं तुम dance किया करती थीं।

- इसमें बताने की क्या बात है। और वैसे भी मैं dance किया करती थी अब नहीं करती।

**Exercice 3**

- याद है वह (=वे) बुरे लोग जिन्हें तुम टी-वी शोज़ में हर सनडे को देखा करते हो? ये लोग उन लोगों जैसे नहीं हैं। ये लोग तुम पर इसलिए रहम नहीं करेंगे क्योंकि तुम बच्चे हो। मौक़ा मिलते ही वह तुम्हें मार देंगे। यह मौक़ा उन्हें मत देना।

**Exercice 4**

- एक छोटा-सा तोहफ़ा उस लड़की के लिए जो इसके बिना अधूरी है। क्या हुआ ? तोहफ़ा पसंद नहीं आया ?

- तुम। तुम यह क्या कर रहे हो, तुम पागल हो गए हो क्या? अगर किसीने तुम्हें देख लिया तुम जानते हो क्या हो जाएगा।

- Relax, मुझे किसीने नहीं देखा।

- मैं कुछ नहीं जानती हूँ, तुम बस जाओ यहाँ से।

- ठीक है, ठीक है मैं जाता हूँ, लेकिन एक शर्त पर

- क्या ?

- मैं एक बार तुम्हें ये घुँघरू पहनकर नाचते हुए देखना चाहता हूँ।

मैं नहीं कर सकती।

- हे। तुम न भी नहीं कर सकती। दोस्ती का पहला उसूल है। कोई दोस्त कुछ भी माँग ले उसे इनकार नहीं किया जाता।

- करन, stop it. मुझ बहुत डर लग रहा है ...

**Exercice 5**

- हे कौन हो तुम ?

- तुम कौन हो ?

- मैं यहाँ रहता हूँ।

- मैं यहाँ नहीं रहता हूँ। ठीक है। तो मेरी बिलडिंग क्यों घूर रहे हो ?

- क्यों ? अब देखने के लिए भी चिट्ठी चाहिए क्या ? बिलडिंग सड़क पे है, सड़क सरकारी, आँखें मेरी हैं, देश आज़ाद है। जब चाहूँ, जिसको चाहूँ, घूर सकता हूँ। देखो बाबा, सुबह-सुबह दिमाग़ मत खाओ। जाके अपने कुत्ते को मूतते हुए देखो।

- अच्छा है, बहुत अच्छा है। सुबह-सुबह ग़ुस्सा बहुत अच्छा है। चलो, जल्दी चलो।

**Exercice 6**

- सुबह शाम इसी तरह से मालिश किया करो मेती, थोड़ी-सी रोएगी बस। समझी।

**Exercice 7**

- आप हमेशा से डाक्टर ही बनना चाहती थी ?

- मैं डाक्टर नहीं हूँ।

- ओह, तो आप इस हॉस्पिटल में नर्स का काम करती होंगी। है न ?

- मैं यहाँ काम नहीं करती। यह हॉस्पिटल मेरे बवुजी ने बनवाया है और इस कमरे की सजावट मुझे सौंप दी है। तो बस तभी से इन बच्चों के साथ कुछ वक़्त बिताने यहाँ आ जाया करती हूँ।

- तो आप करती क्या हैं ?

- कुछ नहीं।

- Wouah ! काश मैं भी कुछ नहीं कर सकता।

**Exercice 8**

- तुम आए मन्नू तो सचमुच बहुत अच्छा लगा। कभी-कभी आ जाया करो। तुमसे भी मिलूँगी और घर की ख़बर भी मिल जाया करेगी।

- तुम्हारी ख़बर भी कहाँ मिलती है हमें ? तुम यहाँ महारानी की तरह रह रही हो इतने आराम से। कहाँ पता चलता है हमें ?

- अब मैं कैसे सब को बताते फिरूँ ? दिखावा नहीं लगेगा ? अब तुम आए हो और ख़ुद सब देख लिया है तो वह अलग बात है।

- पता नहीं कि क्या ज़रूरत है। पर कभी कभी आ तो सकती हो। तुम्हें अच्छा लगेगा। जब तुम्हारे पति लम्बे tour पर निकल जाएँ कुछ दिनों के लिए आ जाया करो।

- पता नहीं मन्नू। असल में अब छे साल हो चुके हैं, आदत नहीं रही। Please मन्नू माँ को मत बताना, पर वहाँ attached bathroom नहीं, A.C. नहीं टी-वी नहीं, कैसे रहूँगी ?